

## **PRESS RELEASE**

**20.12.2024**

### **'NILGIRI' FIRST STEALTH FRIGATE OF P17A CLASS SHIP AND 'SURAT' FOURTH STEALTH DESTROYER OF P15B CLASS DELIVERED TO THE INDIAN NAVY BY MDL**

Mazagon Dock Shipbuilders Limited (MDL) a NAVRATNA CPSE has delivered the First Stealth Frigate of Project 17A Class Ship and the Fourth Stealth Destroyer of Project 15B Class Guided Missile Destroyer i.e. Yard 12707 (SURAT) to the Indian Navy on 20 Dec 24. Both the warships have been designed by the Indian Navy's Warship Design Bureau, constructed by MDL and overseen by Warship Overseeing Team, Mumbai. The Acceptance Document was signed by Shri Sanjeev Singhal, Chairman & Managing Director, MDL and RAdm R Adhisrinivasan, CSO (Tech) at MDL in the presence of MDL Directors, Capt Sandeep Shorey Commanding Officer (Desig) Surat, Capt Nitin Kapoor Commanding Officer (Desig) Nilgiri, Teams from Warship Design Bureau, Warship Overseeing Team (Mumbai), Project Team and Navy personnel today.

Nilgiri is the First of Class (FoC) ship of Project 17A. This Ship features cutting edge advanced technology and is comparable to the finest ships of similar class anywhere in the world. Nilgiri is designed indigenously by the Indian Navy's Warship Design Bureau, New Delhi. Nilgiri incorporates the design concepts for improved survivability, sea keeping, stealth and ship manoeuvrability. Nilgiri is state of the art having stealth feature and the same have been achieved through shaping of hull and use of radar transparent deck fittings which make ships difficult to detect.

This ship is packed with an array of state of the art weapons and sensors and have all-round capability against enemy submarines, surface warship, anti-ship missiles, fighter aircraft. Ship has mounted with Guns for close in defence capability and effective naval gunfire. Nilgiri is enabled to operate independently without supporting vessels, and also to function as the flagship of Naval task force. With significant indigenous content, this ship is a true hallmark of self-reliance attained by

our country in Warship Design and Shipbuilding and a shining example of the 'Make in India' philosophy by the Government of India.

Surat is the fourth ship of Project 15B and is a potent platform capable of undertaking a variety of tasks and missions, spanning the full spectrum of maritime warfare. It is armed with supersonic Surface-to-Surface 'Brahmos' missiles and 'Barak-8' Medium Range Surface to Air Missiles. Towards undersea warfare capability the Destroyer is fitted with indigenously developed anti-submarine weapons and sensors, prominently the Hull mounted Sonar Humsa NG, Heavy weight Torpedo Tube Launchers and ASW Rocket Launchers.

Significantly more versatile than the previous classes of Destroyer and Frigates in Naval inventory, SURAT's all-round capability against enemy submarines, surface warships, anti-ship missiles and fighter aircraft will enable it to operate independently without supporting vessels and also to function as the flagship of a Naval task force.

SURAT has been delivered to the Indian Navy ahead of the contractual time as the most combat worthy platform till date. This reaffirms MDL's commitment towards continuous improvement and meeting exceeding Global Benchmarks.

The indigenous content in P15B Class Destroyers is 72% which is a notch above their predecessors P15A (59%) and P15 (42%) Class Destroyers, reaffirming the Government's focus in 'Atmanirbhar Bharat' Programme along with large ecosystem development of sub vendors.

MDL has always been at the forefront of the nation's progressive indigenous warship and submarine building programme. With the construction of the Leander and Godavari class Frigates, Khukri class Corvettes, Missile Boats, Delhi and Kolkata class Destroyers, Shivalik class Stealth Frigates, Visakhapatnam class Destroyers, Nilgiri class Frigates, the SSK submarines and Scorpene submarines under its belt, the history of modern day MDL almost traces the trajectory of indigenous warship and

submarine building in India there by deservedly earning the soubriquet 'Warship and Submarine Builders to the Nation'.

---

**एमडीएल द्वारा भारतीय नौसेना को P17A श्रेणी के पहले स्टेल्थ जहाज 'नीलगिरि' और P15B श्रेणी के चौथे स्टेल्थ विध्वंसक 'सूरत' की सुपुर्दगी**

माझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड, नवरत्न सीपीएसई ने दिनांक 20 दिसंबर 2024 को भारतीय नौसेना को परियोजना 17ए श्रेणी के पहले स्टेल्थ फ्रिगेट (नीलगिरि) एवं परियोजना 15बी श्रेणी के चौथे स्टील्थ विध्वंसक यानि यार्ड 12707 (सूरत) की सुपुर्दगी की। दोनों युद्धपोतों को भारतीय नौसेना के युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो द्वारा डिजाइन, एमडीएल द्वारा निर्मित और युद्धपोत निगरानी टीम, मुंबई द्वारा देखरेख में किया गया है। स्वीकृति दस्तावेज आज एमडीएल में एमडीएल निदेशकों, कैप्टन संदीप शोरी, कमांडिंग अधिकारी (रूपांकन) सूरत, कैप्टन नितिन कपूर, कमांडिंग अधिकारी (रूपांकन) नीलगिरि, युद्धपोत रूपांकन ब्यूरो की टीम, युद्धपोत अधिदर्शी दल (मुंबई), प्रोजेक्ट टीम और नौसेना कर्मियों की उपस्थिति में श्री संजीव सिंघल, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एमडीएल एवं आरएडीएम आर अधिश्चिनिवासन, सीएसओ (तकनीकी) द्वारा हस्ताक्षरित किये गए।

नीलगिरि, परियोजना 17ए का प्रथम जहाज है। इस जहाज में अत्याधुनिक उन्नत तकनीक है और यह दुनिया में इस श्रेणी के बेहतरीन जहाजों के बराबर है। नीलगिरि को भारतीय नौसेना के युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो, नई दिल्ली द्वारा स्वदेशी रूप से डिजाइन किया गया है। नीलगिरि में बेहतर सर्वाइवल क्षमता, समुद्री रख-रखाव, स्टेल्थ और जहाज की गतिशीलता के लिए डिजाइन अवधारणाओं को शामिल किया गया है। नीलगिरि में आधुनिक स्टेल्थ संरचना है और यह पतवार को आकार देने एवं रडार पारदर्शी डेक फिटिंग का उपयोग करके बनाया गया है जिससे जहाजों का पता लगाना मुश्किल हो जाता है।

यह जहाज अत्याधुनिक हथियारों और सेंसर्स से भरा हुआ है और इसमें दुश्मन की पनडुब्बियों, सतह के युद्धपोतों, जहाज-रोधी मिसाइलों, लड़ाकू विमानों के विरुद्ध सर्वांगीण क्षमता है। रक्षा क्षमता और प्रभावी नौसैनिक गोलाबारी के लिए जहाज में बंदूकें लगाई गई हैं। नीलगिरि सहायक जहाजों के बिना स्वतंत्र रूप से संचालित करने एवं नौसेना टास्क फोर्स के प्रमुख कार्य करने में भी सक्षम है। महत्वपूर्ण स्वदेशी सामग्री के साथ, यह जहाज युद्धपोत डिजाइन और जहाज निर्माण में हमारे देश द्वारा प्राप्त आत्मनिर्भरता का एक सच्चा प्रमाण है और भारत सरकार की 'मेक इन इंडिया' सोच का एक बेहतरीन उदाहरण है।

सूरत परियोजना 15 बी का चौथा जहाज है और यह एक शक्तिशाली जहाज है जो समुद्री युद्ध के पूर्ण स्पेक्ट्रम तक फैले विभिन्न प्रकार के कार्यों और मिशनों को पूरा करने में सक्षम है। यह सुपरसोनिक सतह से सतह पर मार करने वाली 'ब्रह्मोस' मिसाइलों और "बराक -8' मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों से लैस है। विध्वंसक में समुद्र के भीतर युद्ध क्षमता के लिए स्वदेशी रूप से विकसित पनडुब्बी रोधी हथियार और सेंसर हैं, जिसमें प्रमुख रूप से हल पर लगे सोनार हम्सा एनजी, भारी वजन वाले टॉरपीडो ट्यूब लॉन्चर और एसडब्ल्यू रॉकेट लॉन्चर शामिल हैं।

नौसेना की पिछली श्रेणियों के विध्वंसक और फ्रिगेट्स की तुलना में सूरत अधिक बहुमुखी, दुश्मन की पनडुब्बियों, सतह के युद्धपोतों, जहाज-रोधी मिसाइलों और लड़ाकू विमानों के विरुद्ध सर्वांगीण सक्षम है और इस कारण सहायक जहाजों के बिना स्वतंत्र रूप से संचालित करने और नौसेना कार्यबल के प्रमुख कार्य करने में सक्षम है।

सूरत अब तक का सबसे अधिक युद्ध उचित प्लेटफॉर्म है और इसे अनुबंधित समय से पहले भारतीय नौसेना को सौंप दिया गया है। यह निरंतर सुधार और वैश्विक बेंचमार्क को पूरा करने के प्रति एमडीएल की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

पी15बी श्रेणी के विध्वंसकों में स्वदेशी सामग्री 72% है, जो अपने पूर्ववर्ती पी15ए (59%) और पी15 (42%) श्रेणी के विध्वंसकों से ऊपर है, जो उप विक्रेताओं के बड़े इको सिस्टम विकास के साथ-साथ 'आत्मनिर्भर भारत' कार्यक्रम में सरकार के दृष्टिकोण की पुष्टि करता है।

एमडीएल हमेशा से देश के प्रगतिशील स्वदेशी युद्धपोत और पनडुब्बी निर्माण कार्यक्रम में सबसे आगे रहा है। लिण्डर और गोदावरी श्रेणी के फ्रिगेट, खुखरी श्रेणी के कोरवेट, मिसाइल बोट, दिल्ली और कोलकाता श्रेणी के विध्वंसक, शिवालिक श्रेणी के स्टेल्थ फ्रिगेट, विशाखापत्तनम श्रेणी के विध्वंसक, नीलगिरि श्रेणी के फ्रिगेट, एसएसके पनडुब्बी और स्कॉर्पीन पनडुब्बियों के निर्माण के साथ, आधुनिक एमडीएल का इतिहास लगभग भारत में स्वदेशी युद्धपोतों और पनडुब्बियों के निर्माण की यात्रा को दर्शाता है, और इस प्रकार इसे 'राष्ट्र के लिए युद्धपोत और पनडुब्बी निर्माता' के उपनाम से सम्मानित किया गया है।



